an>

Title: Regarding granting permission to run Indian School of Mines learning from the campus of ISM, Dhanbad after the expirty of its lease.

श्री पशुपति नाथ सिंह (धनबाद) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके पृति आभारी हूं कि आपने मुझे शून्य काल के अंतर्गत अतिमहत्वपूर्ण लोक महत्व के विषय पर बोलने का अवसर पूदान किया है। मैं सदन के माध्यम से माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी का ध्यान अपने संसदीय क्षेतू की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं कि हमारे संसदीय क्षेतू धनबाद के इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स को आई.आई.टी. संस्थान बनाये जाने के लिए पिछले बजट सतू में घोषण हुयी है। इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स के कैम्पस में ही निजी विद्यालय इंडियन स्कूल ऑफ लर्निंग वर्ष 1989 से चल रहा है। वहां लगभग 1500 विद्यार्थी शिक्षा गृहण कर रहे हैं, जो बारहवीं कक्षा तक का निजी विद्यालय है। इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स लर्निंग जो कि आई. एस.एम. के कैम्पस में स्थित है और आई.एस.एम. से लीज पर था जिसकी लीज वर्तमान में समाप्ति की ओर है, अर्थात् आई.एस.एम. चाहता है कि इंडियन स्कूल ऑफ लर्निंग उसके कैम्पस से अपने विद्यालय को हटा ले, जो वहां अध्यनरत लगभग 1500 विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत ही दुखदाई और दुर्भागयपूर्ण होगा।

अतः मेरा माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी से विनमू आगृह है कि निजी विद्यालय इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, जहां इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स के पूोफेसर कर्मचारी के बच्चे भी पढ़ते हैं उसको उसी स्थान पर चलाने की अनुमति पूदान करें।

HON. SPEAKER Shri Nishikant Dubey is permitted to associate with the issue raised by Shri Pashupati Nath Singh.